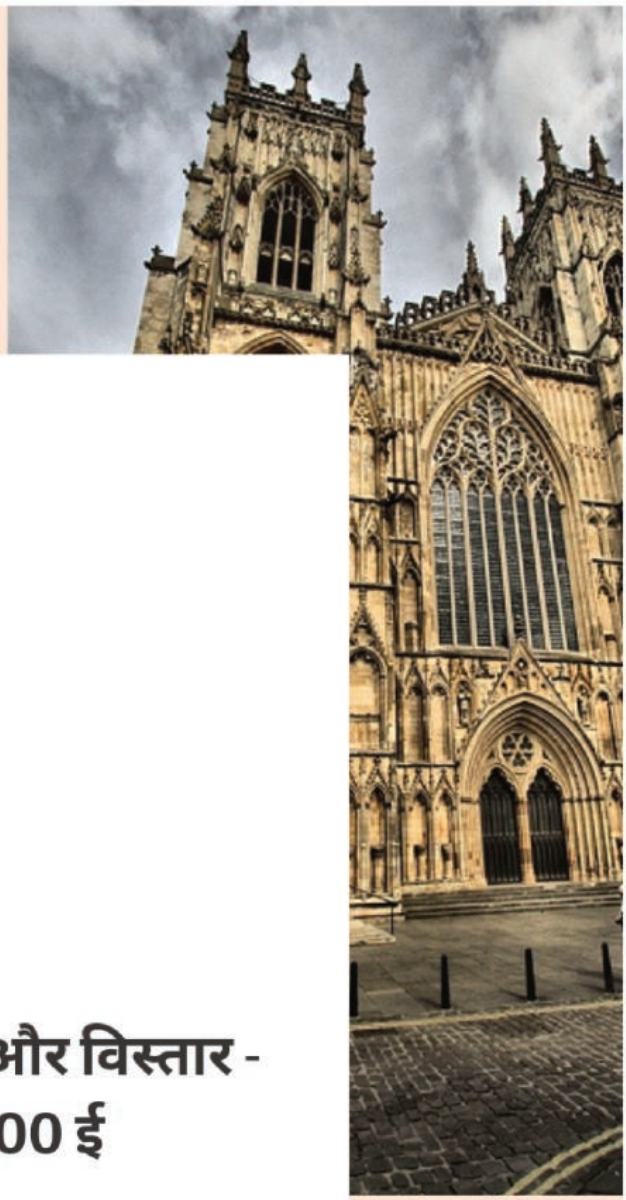


aglasem.com

कक्षा ११ इतिहास नोट्स

इस्लाम का उदय और विस्तार - लगभग 570-1200 ई

Key Notes and Important Questions with Answers

विषय - 4
इस्लाम का उदय और विस्तार
लगभग 570-1200 ई०

स्मरणीय तथ्य

1. इस्लामी क्षेत्रों के इतिहास के स्त्रोत हैं – इतिवृत्त अथवा तवारीख़, जीवन–चरित, पैगम्बर के कथन और कार्यों के अभिलेख, कुरान के बारे मे टीकाएं, प्रत्यदर्शी वृतान्त (जैसे अखबार) ऐतिहासिक और अर्ध ऐतिहासिक रचनाएं, दस्तावेजी प्रमाण, प्राचीन इमारतें आदि।
2. मुस्लिम समाज की शुरूआत आज से 1400 वर्ष पहले हुई। इनका मूल क्षेत्र मिश्र से अफगानिस्तान तक का विशाल क्षेत्र है। इसी क्षेत्र के समाज व संस्कृति के लिये ''इस्लाम'' का प्रयोग किया जाता है।
3. अरब लोग कबीलों में बंटे थे। प्रत्येक कबीले के अपने देवी देवता होते थे। अरब कबीले खानाबदोश होते थे। मक्का में स्थित काबा वहाँ का मुख्य धर्मस्थल था और सभी मुस्लमान इसे पवित्र मानते थे।
4. 612 ई. में पैगम्बर मुहम्मद ने अपने आपको खुदा का संदेशवाहक घोषित किया। पैगम्बर मुहम्मद और इनके अनुयायियों को मक्का के समृद्ध लोगों के विरोध के कारण मक्का छोड़कर मदीना जाना पड़ा। इस यात्रा को हिजरा कहा गया और इसी 622 ई. वर्ष से मुस्लिम कैलेन्डर यानि हिजरी सन् की शुरूआत हुई।
5. पैगम्बर मुहम्मद ने मदीना में एक राजनीतिक व्यवस्था की। अब मदीना इस्लामी राज्य की प्रशासनिक राजधानी तथा मक्का धार्मिक केन्द्र बन गया। थोड़े ही समय में अरब प्रदेश का बड़ा भू–भाग इनके अधीन हो गया।
6. सन् 632 ई. में पैगम्बर मुहम्मद का देहान्त हो गया और अगले पैगम्बर की वैधता के अभाव में राजनीतिक सत्ता उम्मा को अंतरित कर दी गयी। इस प्रकार खिलाफत संस्था का आरंभ हुआ। समुदाय का नेता पैगम्बर का प्रतिनिधि अर्थात् खलीफा बन गया।
7. पहले चार खलीफाओं (1) हज़रत अबुबकर (2) हज़रत उमर (3) हज़रत उस्मान (4) हजरत अली ने अभियानों द्वारा विद्रोह का दमन किया, राज्य का विस्तार किया और कबीलों की शक्ति को एकजुट किया।
8. चौथे खलीफा अली की हत्या के बाद हज़रत मुआविया ने अपने आपको अगला खलीफा घोषित किया और उमय्यद वंश की स्थापना की। मुआविया ने वंशगत उत्तराधिकारी की परंपरा शुरू की और अरबी भाषा को प्रशासन की भाषा घोषित

किया। दमिश्क को राजधानी बनाया गया और इस्लामी सिक्के जारी किए गये। इन पर अरबी भाषा में लिखा गया।

9. दावा नामक एक सुनियोजित आन्दोलन ने उमय्यद वंश को 750 ई. में उखाड़ फेंका और अब्बासी वंश की नीव रखी। इन्होंने बगदाद को राजधानी बनाया, सेना और नौकरशाही का पुनर्गठन किया, इस्लामी संस्थाओं और विद्वानों को संरक्षण प्रदान किया।

10. अब्बासी राज्य नौवीं शताब्दी में कमजोर हो गया। राज्य में गृह युद्ध, गुटबन्दी और तुर्की गुलाम अधिकारियों की शक्ति में वृद्धि हुई। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दियों में तुर्की सल्तनत का उदय हुआ जिसकी स्थापना अल्पतिगिन द्वारा की गयी।

11. ईसाई जगत और इस्लामी जगत के बीच शत्रुता बढ़ने लगी। जिसका कारण आर्थिक संगठनों में परिवर्तन था। 1095 ई. में पुण्यभूमि को मुक्त कराने के लिए ईश्वर के नाम पर जो युद्ध लड़े गये उन्हें धर्मयुद्ध कहा गया। ये युद्ध 1095 ई. से 1291 ई. के बीच लड़े गये।

12. मध्यकालीन इस्लामी दुनिया की अर्थव्यवस्था काफी सुदृढ़ थी। कृषि को प्रोत्साहन, सिंचाई के लिए नहरें, बांधों का निर्माण किया गया। कृषि और उद्योगों के विकास ने शहरीकरण की प्रक्रिया को तीव्र किया। साखपत्र (सक्क) और हुड़ियों (सुफतजा) का प्रयोग बढ़ा। व्यापारिक यात्राएं भी ज्यादा सुरक्षित हो गयी, रेशम मार्ग का उपयोग बढ़ा।

13. आठवीं और नौवीं शताब्दी में कानून की चार शाखाएँ (मजहब) बन गई। ये मालिकी, हनफी, शफीई और हनबली थी, जिनमें से प्रत्येक का नाम एक प्रमुख विधिवेत्ता (फकीह) के नाम पर रखा गया।

14. सूफियों का उदय। दर्शन शास्त्र और विज्ञान में रूचि में वृद्धि। अरबी कविता का पुनः अविष्कार हुआ। फारसी भाषा का विकास हुआ। गजनी फारसी साहित्य का केन्द्र बन गया। फिरदौसी द्वारा शाहनामा ग्रंथ लिखा गया।

15. धार्मिक इमारतें इस्लामी दुनिया की पहचान बनी। इन इमारतों में मस्जिदें, इबादतगाह और मकबरे शामिल थे। मस्जिदों का एक वास्तुशिल्पीय रूप था – गुम्बद, मीनार, खुला प्रांगण और खंभो के सहारे छत।

16. कागज चीन से आया। कागज के आविष्कार के बाद इस्लामी जगत में लिखित रचनाओं का व्यापक रूप से प्रयोग होने लगा। समूचे मानव इतिहास से संबंधित दो प्रमुख ग्रंथ–अनसब अल–अशरफ (सामंतो की वंशावलियाँ) बालाधुरी द्वारा

और तारीख अल–रसूल वल मुल्क (पैगम्बरों और राजाओं का इतिहास) ताबरी द्वारा लिखा गया।

17. प्राणियों के चित्रण की मनाही से कला के दो रूप – खुशनवीसी (खत्ताती अथवा सुंदर लिखने की कला) और अरबेस्क (ज्यामितीय और वनस्पतीय डिज़ाइन) को बढ़ावा मिला।

18. अदब का अर्थ साहित्यिक और सांस्कृतिक परिष्कार।

19. इब्न सिना (980–1037) – व्यवसाय की दृष्टि से एक चिकित्सक और दार्शनिक थे।

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. 600 ई. से 1200 ई. तक इस्लामी क्षेत्रों के इतिहास की जानकारी हमें किन स्रोतों से मिलती है?
2. पैगम्बर मुहममद को मक्का क्यों छोड़ना पड़ा? इस घटना का इस्लाम के इतिहास में क्या महत्व है?
3. खिलाफत संस्था का निर्माण क्यों किया गया?
4. उमय्यद वंश के अब्द–अल–मलिक द्वारा अरब इस्लामी पहचान के विकास के लिये किये गये दो कार्यों का उल्लेख कीजिए।
5. पैगम्बर मुहम्मद ने स्वयं को खुदा का संदेश वाहक कब घोषित किया?
6. इस्लाम धर्म की मुख्य शिक्षाएं संक्षेप में लिखिए।
7. इस्लामी धार्मिक कला में प्राणियों के चित्रण की मनाही से कला के किन दो रूपों को बढ़ावा मिला?
8. प्राच्यविद किन्हें कहा जाता है?
9. इस्लामिक काल के किन दो प्रमुख इतिहासिक ग्रन्थों में समूचे मानव इतिहास का वर्णन है? इनके लेखक का नाम भी लिखिए।
10. फिरदौसी की किस कृति को इस्लामी साहित्य की एक श्रेष्ठ कृति माना जाता है? इसमें किसका चित्रण किया गया है?
11. अब्द–अल–मालिक के द्वारा अपनाई गई नीतियाँ कौन–सी थी? स्पष्ट कीजिए।

लघु प्रश्न (4 अंक वाले)

12. पैगम्बर मुहम्मद ने किस प्रकार अरब प्रदेश के बड़े भाग को अपने धर्म, समुदाय और राज्य में लाने में सफलता प्राप्त की? विवरण दीजिए।
13. अब्बासी राज्य के नौवीं शताब्दी में कमजोर होने के कारणों तथा परिणामों का उल्लेख कीजिए।
14. इस्लामी राज्य में कृषि व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ क्या थी? इन विशेषताओं से पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना करो।
15. मध्यकालीन इस्लामी काल की कौन–कौन सी रचनाएँ यूरोप पहुँची और इनसे दर्शनशास्त्र और विज्ञान में रूची कैसे उत्पन्न हूई?
16. इस्लामी दुनिया की इमारतों की विशेषताएँ लिखिए।
17. मध्यकालीन आर्थिक जीवन में मुस्लिम जगत का सबसे बड़ा योगदान क्या था? व्यापारिक यात्राएँ किस प्रकार से ज्यादा सुरक्षित हो गयी?
18. सातवीं शताब्दी के आरंभिक दशकों में बद्दुओं के जीवन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
19. धर्म युद्ध से क्या तात्पर्य है? धर्म युद्ध का एशिया और यूरोप पर क्या प्रभाव पड़ा?
20. इब्न सिना कौन था? इसके द्वारा लिखी गयी पुस्तक का नाम लिखकर इसकी विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
21. अदब का क्या अर्थ है? मध्य कालीन इस्लामी समाजों में किसी व्यक्ति के किन गुणों को सर्वाधिक सराहनीय गुणों में शामिल किया जाता था?

दीर्घ प्रश्न (8 अंक वाले)

22. मध्यकालीन इस्लामी जगत में शहरीकरण की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
23. इस्लामी वास्तुकला और रोमन वास्तुकला का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।
24. 'जीते गए सभी प्रान्तों में खलीफाओं ने नया प्रशासनिक ढ़ाँचा लागू किया।' यह नया प्रशासनिक ढ़ाँचा किस प्रकार था? वर्णन कीजिए।
25. ''उमय्यद राज्य अब एक साम्राज्यिक शक्ति बन चुका था, अब वह सीधे इस्लाम पर आधारित नहीं था'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (8 अंक वाले) उत्तर

22.
- शहरों की संख्या में तेजी से वृद्धि।
- इस्लामी सभ्यता का फलना फूलना।
- मुख्य उद्देश्य – अरब सैनिकों (जुंड) को बसाना, कूफा बसरा फुस्तान काहिरा बगदाद और समरकंद जैसे फौजी शहर।
- शहरों के विकास एवम् विस्तार के लिए खाद्यान्न उत्पादन व उद्योगों को बढ़ावा।
- दो प्रकार के भवन समूह – एक मस्जिद (मस्जिद अल जामी) दुसरा केन्द्रीय मंडी (सुक)।
- केन्द्रीय मंडी में दुकानों की कतारें, व्यापारियों के आवास (फंदुक), शर्राफ का कार्यालय, प्रशासकों और विद्ववानों एवम् व्यापारियों के घर।
- मण्डी की प्रत्येक ईकाई की अपनी मस्जिद गिरजाघर अथवा सिनेगोग (यहूदी प्रार्थनाघर)।
- शहर के बाहरी इलाकों में गरीबों के मकान, सब्जी फल के बाजार, काफिलों के ठिकाने, दुकानें आदि।
- शहर की चार दिवारी के बाहर कब्रिस्तान व सराय।
- शहरों के नक्शों में समानता का अभाव।

23.
- धार्मिक इमारतें दुनिया की सबसे बड़ी प्रतीक।
- स्पेन से मध्य एशिया तक फैली मस्जिदें, इबादतगाह तथा मकबरे।
- इमारते मुसलमानों की आध्यात्मिक तथा व्यावहारिक आवश्यकताओं को अभिव्यक्त करती थी।
- इस्लाम की पहली शताब्दी में मस्जिद ने एक विशिष्ट वास्तुशिल्पीय स्वरूप प्राप्त कर लिया।
- नखलिस्तानों में मरूस्थली महल।
- महलों का निर्माण रोमन तथा ससानी वास्तुशिल्प के तर्ज पर।
- अब्बासियों द्वारा समरा पानी के बीच एक नए शाही शहर का निर्माण।
- मीनार नए धर्म के अस्तित्व के रूप में।
- सार्वजनिक स्नान ग्रह रोम के शहरी जीवन की विशेषता।

- रोम के इंजीनियरों द्वारा तीन महाद्वीपों के पार पानी ले जाने के लिए विशाल जल सेतुओं का निर्माण।
- रोम की वास्तुकला अत्यधिक दक्षपूर्ण।
- पत्थरों और ईंटों के टुकाड़ों का प्रयोग। स्तंभों का निर्माण।
- कंक्रीट एवम् डाटों का प्रयोग। डाटों का प्रयोग कोलोजियम बनाने में भी।

24. • खलीफाओं ने नया प्रशासनिक ढ़ाँचा लागू किया।
- अध्यक्ष गवर्नर (अमीर) और कबीलों का मुखिया (अशरफ)
- केंद्रीय राजकोष (बैत अल–माल) में मुसलमानों द्वारा किए जाने वाले कर व धावों से मिलने वाली लूट का हिस्सा।
- खलीफा के सैनिक अधिकतर बेदुइन।
- सैनिक रेगिस्तान के किनारों पर बसे शहरों में शिविरों में रहते थे।
- गैर मुस्लिमों द्वारा खराज व जज़िया कर अदा करना।
- यहूदी और ईसाई संरक्षित घोषित।
- सामुदायिक कार्यों को करने की काफी स्वायत्ता।

25. • पहले उमय्यद खलीफा द्वारा दमिश्क को राजधानी बनाना।
- बाइजेंटाइन साम्राज्य की राजदरबारी रस्मों और प्रशासनिक संस्थाओं को अपनाना।
- वंशगत उत्तराधिकार की परम्परा प्रारम्भ।
- शासन कला में निपुण।
- प्रशासन में ईसाई सलाहकार, ज़रतुश्त लिपिक और अधिकारी शामिल।
- अरबी सामाजिक पहचान बनाए रखना। अरबी प्रशासन की भाषा।
- इस्लामी सिक्के जारी करना।
- सलीब और अग्नि वेदी के चिन्ह बने सोने के दीनार और चाँदी के दिरहम सिक्के बन्द करना।
- अब्द अल मलिक द्वारा जेरूसलम में 'डोम ऑफ रॉक' बनवाना, जो कि इस्लामी वास्तुकला का पहला बड़ा नमूना।